



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29]
No. 29]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 6, 1998/माघ 17, 1919
NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 6, 1998/MAGHA 17, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1998

प्रारम्भिक निष्कर्ष

विषय :—चीन जनवादी गणराज्य से मैग्नीशियम के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच—प्रारम्भिक निष्कर्ष।

7/1/97/ए.डी.डी.—भारत सरकार ने 1995 में यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा शुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, निर्धारण और वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए,

(क) प्रक्रिया

जांच के संबंध में निम्नलिखित क्रिया विधि का अनुसरण किया गया है :

- (i) पदनामित प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा जाएगा) नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से मै. साउदर्न मैग्नीशियम तथा कैमिकल्स लि. से लिखित आवेदन प्राप्त किया जिसमें चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित मैग्नीशियम के पाटन का आरोप लगाया है।
- (ii) प्राधिकारी ने प्राधिकारता द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना साक्ष्यों के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य से मैग्नीशियम के आयातों पर जांच शुरू करने का निश्चय किया था। प्राधिकारी ने जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में नियमों के उप-खण्ड 5(5) के अनुसरण में चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को सूचित किया।
- (iii) प्राधिकारी ने सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 8104.11 तथा 8104.19 के अंतर्गत वर्गीकृत चीन जनवादी गणराज्य मूल के या वहां से निर्यातित मैग्नीशियम के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 31 जुलाई, 1997 को प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

॥१४॥ प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों ॥जिनके ब्यौर याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध करवाए गए थे॥और उद्योग संगठनों को अग्रसारित की उन्हें नियम 6॥2॥ के अनुसार अपने लिखित विचारों से अवगत कराने का मौका दिया गया ।

॥१५॥ प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में मैग्नीशियम के सभी ज्ञात आयातकों को अग्रसारित की और उन्हें पत्र जारी होने के चालीस दिनों के भीतर अपने लिखित विचारों से अवगत कराने का परामर्श दिया ।

॥१६॥ जांच अवधि समेत पिछले तीन वर्षों के दौरान मैग्नीशियम के आयात के ब्यौरे उपलब्ध करवाने के लिए केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड ॥सी बी ई सी॥ से अनुरोध किया गया था । परन्तु सी बी ई सी से कोई सूचना नहीं मिली ।

॥१७॥ प्राधिकारी ने याचिका की एक प्रति उपरोक्त नियम 6॥3॥ के अनुसरण में ज्ञात निर्यातकों तथा चीन जनवदी गणराज्य को उपलब्ध करवाई

॥१८॥ प्राधिकारी ने नियम 6॥4॥ के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को एक प्रश्नावली भेजी :-

- ताइवान ईस्ट-यूनाइटेड स्मेल्ट मैग्नीशियम कंपनी लि.चीन,
- यूनाइटेड मैग्नीशियम क.लि.,चीन
- हेबी सी जी मेटल स्मेल्टिंग क.लि.,चीन
- झांसी युयेंग फेंगुवा स्मेल्टिंग लि., क कंपनी,चीन
- नानाजिंग उबे मैग्नीशियम क.लि.,चीन
- चीमेन्स इंटरनेशनल लि., हांगकांग
- यूए पाक क. लि., हांगकांग

॥१९॥ नई दिल्ली स्थित संबंधित क्षेत्र के दूतावास को नियम 6॥2॥ के अनुसार जांच शुरू करने के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वह अपने देश के निर्यातकों निर्माताओं को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का प्रत्युत्तर देने के लिए परामर्श दे । निर्यातकों को भेजी गए पत्र याचिका प्रश्नावली की एक प्रति समेत ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची दूतावास को भी भेजी गई थी ।

॥२०॥ नियम 6॥4॥ के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में मैग्नीशियम के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी :-

- ज्येश्ठ ट्रेडिंग कं., मुम्बई
- इंडीस्ट्रियल मेटालिक्स, मुम्बई
- जे पूनमचन्द एंड सनं, मुम्बई
- मेदको मार्केटिंग इंडिया लि., मुम्बई
- रशिया मेटल कारपोरेशन, मुम्बई
- अमोघ एलायस, मुम्बई
- मेष्टल एलायस, मुम्बई
- संजय कामीशियल कॉर्पोरेशन, कलकत्ता
- कोठारी मेटल प्रा. लि., कलकत्ता
- बाथी उद्योग, कलकत्ता
- इम्पेक्स मेटल प्रा. लि., देहली

§X1§ याचिकाकर्ता से क्षति से संबंधित अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी, जो प्राप्त हो गयी है

X11§ प्राधिकारी ने एक सरकारी फाइल के रूप में विभिन्न इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध कराए और यह फाइल इच्छुक पार्टियों के निरीक्षण के लिए खोली रखी गयी

X111§ यह पता लगाने के लिए कि क्या डीम्पिंग मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, सामान्यता स्वीकृत लेखा सिद्धांत §जी ए स पी§ तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर इष्टतम उत्पादन लागत और संबंधित वस्तुओं को बनाने तथा बेचने की लागत निकालने के लिए लागत जांच भी की गई,

X11V§ 1 अप्रैल, 1996 से 31 दिसम्बर, 1996 तक की अवधि के दौरान किस गैर पाटन की जांच की गई थी।

याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:

॥ हॉमिंग पर

• याचिकाकर्ता ने कहा है कि हॉमिंग का एक प्रमुख भाग चीन जनवादी गणराज्य में मैग्नीशियम के लघु उत्पादकों से हो रहा है। चीन के उत्पादक भारतीय बाजार पर कब्जा करने के लिए धातु को कम कीमतों पर बेच रहे हैं।

• चीन के निर्यातकों द्वारा किए जा रहे पाटन को ध्यान में रखते हुए यू.एस.ए. द्वारा चीन के मैग्नीशियम पर पाटन-रोधी शुल्क लगाया गया है; यूरोप को चीनी मैग्नीशियम का निर्यात पारित मूल्य किए जाने के परिणामस्वरूप मैग्नीशियम के 150-200 छोटे उत्पादक व्यापार से बाहर हो गए हैं,

• चूंकि कि चीन के मैग्नीशियम के निर्यात का बाजार पूरे संसार में अव्यस्त हो रहा है इसलिए भारत चीन के मैग्नीशियम के पाटन के लिए एक सम्भावित बाजार बन गया है ;

• चीन में मैग्नीशियम का सामान्य मूल्य उत्पादन की निर्मित लागत पर आधारित है ;

॥ छीत पर :

• याचिकाकर्ता ने छीत उठाई है जैसा कि निम्नीलिखित से स्पष्ट है :-

• याचिकाकर्ता द्वारा कम मूल्य पर व्यर्थ बिक्री के फलस्वरूप अवमूल्यन तथा ब्याज लागत की गैर-वापसी ;

• याचिकाकर्ता मूललागत पर कोई लाभ नहीं कमा सका ;

• याचिकाकर्ता की बिक्री में पर्याप्त गिरावट आई है ,

• यद्यपि भारत में मैग्नीशियम की छत पिछले वर्षों में बढ़ी है तथापि याचिकाकर्ता का उत्पादन उसके द्वारा संयन्त्र सामर्थ्य बढ़ाने के बावजूद स्थिर रहा है।

• याचिकाकर्ता के बिक्री मूल्य उत्पादन की लागत पर आधारित हैं। जिसके बावजूद याचिकाकर्ता चीनी निर्यातकों द्वारा प्रस्तावित मूल्यों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के योग्य नहीं है। चीन के निर्यातकों द्वारा प्रस्तावित मूल्य उनके उत्पादन लागत से भिन्न हैं।

• याचिकाकर्ता के बिक्री मूल्य कच्चे माल पर बिक्री कर, अन्य निविष्टियों तथा परिष्कृत सामानों का घटक शामिल है, जबकि चीन जनवादी गणराज्य से होने वाले आयातों में ऐसी लागत शामिल नहीं होती है।

• याचिकाकर्ता अपने प्रचालन लम्बे समय तक जारी नहीं रख सकेगा, वह अकुशल उत्पादक नहीं है;

ग. निर्यातकों, आयात की तथा अन्य इच्छुक पक्षों के विचार

3. प्राधिकारी द्वारा संशोधित किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। मै0 कोठारी मेम्बर लि०, कलकत्ता ने सूचना भेजने के प्राधिकारी के अनुरोध का उत्तर दिया है जबकि मै0 एस्कोर्ट्स मेम्बर लि० ने बिना कोई सूचना दिए, केवल अपने विचार व्यक्त किए हैं। इन पार्टियों ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता भारत में मैग्नीशियम का एकमात्र उत्पादक है तथा इसका कुल उत्पादन देश में कुल मांग को पूरा करने में अपर्याप्त है। अतः इन पार्टियों ने तर्क दिया कि पाटनरोधी शुल्क लगाना न्यायोचित नहीं है।

घ. उठार गए मुद्दों की जांच

4. आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की, उन पर विचार किया और जहां उपर्युक्त समझा गया, वहां इसके बाद कार्रवाई की गई।

5. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी ग्रेडों विषुद्धताओं/आकार तथा माप का मैग्नीशियम है। मैग्नीशियम चांदी जैसा स्फेद एक धातु है जिसका घनत्व अल्मुनियम के घनत्व के लगभग 63% के बराबर है।

6. मैग्नीशियम सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के परिशिष्ट 1 के सीमाशुल्क उप-शीर्षक 8104.11 तथा 8104.19 तथा आई टी सी के 8104.11.00 एवं 8104.19.00 के अंतर्गत वर्गीकृत है तथापि यह वर्णन केवल सांकेतिक है तथा वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

7. मैग्नीशियम विभिन्न भौतिक रूपों तथा आकारों में जैसा कि पट्टी, गोले घड़ों के रूप में बेचा जाता है तथा इसका प्रयोग रक्षा, अंतरिक्ष एवं आणविक उद्योगों में किया जाता है। मैग्नीशियम किसी अन्य सामग्री का स्थानापन नहीं है।

घ. समान वस्तुएं

यह स्थापित करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित मैग्नीशियम, चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातित मैग्नीशियम जैसी समान वस्तु है, प्राधिकारी ने भौतिक लक्षण {आकार, रासायनिक संयोजन, कच्चा माल} उत्पादन प्रक्रिया तथा तकनीक, कार्य तथा उपभोग, उत्पाद विशेषताओं, मूल्यों, वितरण तथा विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसे कारकों पर विचार किया। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वह मैग्नीशियम का निर्माण करने के लिए पीजन प्रक्रिया का इस्तेमाल करता है जबकि चीन के उत्पादक इलेक्ट्रोलाइट और पीजन दोनों प्रक्रियाओं का इस्तेमाल करते हैं। तथापि, उत्पादन प्रक्रिया में अंतर अंतिम उत्पाद में अंतर नहीं डालता है तथा उत्पादन लागत उत्पादन प्रक्रिया पर ध्यान दिए बिना लगभग समान है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन जनवादी गणराज्य से आयातित समान तथा याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित समान अदल-बदल कर इस्तेमाल की जा रही हैं तथा इनमें एक दूसरे से मिलते जुलते लक्षण हैं। इस विषय पर याचिकाकर्ता के दावे के विरुद्ध कोई तर्क नहीं है। नियम 2 {घ} के अर्थ के अंतर्गत घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामान चीन पी आर से निर्यातित सामान के समान वस्तु है।

छ. घरेलू उद्योग

9. याचिका में साउदर्न मैग्नीशियम तथा कैमिकल्स लिमिटेड, डक्कन चैम्बर्स, 5 वां तल 6-3-666/बी, सोमाजीगुडा, हैदराबाद 500082 द्वारा दायर की गई है। भारत में मैग्नीशियम का एक और उत्पादक मै. तमिलनाडू मैग्नीशियम एंड मेरीन कैमिकल्स लि., {टी एम एल} है जो अपना उत्पादन 1992 से बन्द कर चुका है। याचिकाकर्ता भारत में मैग्नीशियम का एकमात्र उत्पादक होने के कारण उपरोक्त नियम 2 {छ} के अनुसार घरेलू उद्योग की परिभाषा को संतुष्ट करता है।

ज. पाटन

10. धारा 9 क {1} के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान मूल्य का अर्थ है:

{1} समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य रूप में तुलनीय मूल्य जहां वह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो जिसका निर्धारण उप धारा {6} के अंतर्गत बनाए नियमों के अनुसार किया गया है या

§ 11। जब व्यापार के सामान्य रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में समान वस्तु की बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा;

§ 12। समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपर्युक्त तीसरे देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप धारा § 6 के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए; या

§ 13। उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत; जिसमें प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा § 6 के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए;

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहाँ वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहाँ वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल बाह्यनान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा ।

11. प्राधिकारी ने उपरोक्त धारा के अनुसार जाँच संबंधित सूचना और टिप्पणियाँ, आदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों को अक्सर प्रदान किया । प्राधिकारी ने भारत में चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को भी लिखा । परन्तु, सूचना भेजने के प्राधिकारी के अनुरोध का किसी भी निर्यातक ने कोई जवाब नहीं दिया है ।

12. सामान्य मूल्य-निर्धारण के लिए किसी भी आयातक या अन्य इच्छुक पार्टी {पार्टियों} ने कोई भी संबंधित सूचना प्रस्तुत नहीं की है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे पर भी किसी इच्छुक पार्टी {पार्टियों} द्वारा कोई विवाद नहीं उठाया गया है। इसलिए प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य में मेक्सीशियम के सामान्य मूल्य-निर्धारण के लिए नियम 688 अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर कार्यवाई की।

13. प्रारम्भ में चीन जनवादी गणराज्य के लिए निर्मित उत्पादन-लागत के आधार पर सामान्य-मूल्य-निर्धारित किया गया था। प्राधिकारी ने इन निष्कर्षों में सामान्य मूल्य निर्धारण के उसी आधार पर विचार किया है।

14. निर्यात-मूल्य:- चीन जनवादी गणराज्य के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा निवेदित सूचना नहीं भेजी है। आयातकों द्वारा भेजी गई सूचना जाँच-अवधि के लिए चीन जनवादी गणराज्य के मेक्सीशियम का उचित औसत निर्यात-मूल्य निर्धारित करने के लिए अपर्याप्त है। अतः वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय {डीजीसीआई एण्ड एस} द्वारा प्रकाशित सूचना के आधार पर निर्यात-मूल्य निकाला गया है। जाँच अवधि में औसत निर्यात मूल्य निकालने के लिए सीमा-शुल्क उपशीर्षों 8104.11.00 और 8104.19.00 के अन्तर्गत किए गए मेक्सीशियम के आयात पर विचार किया गया है।

15. याचिकाकर्ता ने धातुओं और खनिजों की समीक्षा के आधार पर भी निर्यात मूल्य दिया था परन्तु, डीजीसीआई एण्ड एस द्वारा संकलित सूचना केवल विचाराधीन उत्पाद के लिए उपलब्ध है, इसलिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा धातु और खनिज की समीक्षा के आधार पर प्रस्तुत सूचना पर ध्यान नहीं दिया है।

17. याचिकाकर्ता ने सीआईएफ निर्यात-मूल्य में किसी समायोजन का दावा नहीं किया है, न ही निर्यातकों ने सामान्य मूल्य और/अथवा निर्यात मूल्य में किसी समायोजन का दावा किया है। इसके अतिरिक्त, सामान्य मूल्य उत्पादन की लागत पर आधारित है और

इसे फेव्डी द्वार पर मूल्य के स्तर के रूप में माना गया है/अतः निर्यात-मूल्य पर कोई भी समायोजन आवश्यक रूप से पाटन मार्जिन में वृद्धि का परिणाम होगा। निर्यातकों से असहयोग और प्राधिकारी को अन्यथा सूचना उपलब्ध न होने की दृष्टि से और पाटन-मार्जिन क्षति की सीमा से काफी अधिक होने के कारण निर्यात मूल्य में किसी भी समायोजन की अनुमति नहीं देना ही उपयुक्त माना गया है। इस प्रकार निर्धारित निर्यात-मूल्य फेव्डी द्वार पर निर्यात मूल्य के रूप में माना गया है।

18. सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के बीच निष्पक्ष तुलना के प्रयोजन से प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना और अपने पास उपलब्ध अन्य प्रकाशित सूचना को ध्यान में रखा। जैसा कि ऊपर विवरण दिया गया है, निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य कारखाना द्वार पर लागत मूल्य के स्तर के हैं और इस प्रकार सामान्य मूल्य की तुलना भारत अंतर्गत निर्यात मूल्य से की गई है। पाटन मार्जिन ~~62~~ पर आता है।

क्षति :-

20. ऊपर नियम -11 अनुबंध-II के अन्तर्गत जब क्षति का निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का निर्धारण भी शामिल होगा। ऐसा करते समय सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा जिनमें शामिल हैं-उम्प किए गए आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनका प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव। कीमतों पर उम्प किए गए आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जाँच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में उम्प किए गए आयातों से कीमतों में पर्याप्त गिरावट आई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव पर्याप्त मात्रा में कीमतों को अन्यथा कम करना या कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी बढ़ गई होती।

21. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों से पड़ने वाले प्रभाव की जाँच करने के लिए प्राधिकारी ने ऊपर नियमों के अनुबंध-11.1 ^{अनुसार} के ऐसे सूचकों पर विचार किया है जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे- उत्पादन, क्षमता-उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभदता, कुल बिक्री, वसूली, उम्पिंग मात्रा और मार्जिन आदि।

पाटित आयातों की मात्रा तथा बाजार हिस्सा :-

22. चीन जनवादी गणराज्य से मैन्गिश्चिम का आयात वर्ष 1994-95 में 441 मी० टन से बढ़कर वर्ष 1995-96 में 992 मी० टन हो गया और जाँच अवधि में यह 766 मी० टन

॥वार्षिक आधार पर 1021 मी० टन॥ था, जिसके परिणाम-स्वरूप निरपेक्ष रूप में आयातों में तीव्र वृद्धि हुई । कुल आयातों में चीन जनवादी गणराज्य का हिस्सा 28.42% ॥1994-95॥ से तेजी से बढ़कर 68.25% आकर ॥जाँच-अवधि में॥ हो गया। भारत की कुल माँग में चीन जनवादी गणराज्य का बाजार हिस्सा भी 24.41% ॥1994-95॥ से 57.9% ॥जाँच - अवधि ॥ हुआ है ।

॥ख॥ चीन का निर्यात-मूल्य :

23. चीन जनवादी गणराज्य के मेन्मीशियम के सीआईएफ निर्यात मूल्य अप्रैल, 1996 में 136 रुपये प्रति किग्रा ॥1994-95॥ से घटकर 124 रुपये प्रति किग्रा० हो गया और जाँच-अवधि में औसत निर्यात मूल्य 93.73 रुपये प्रति किग्रा था ।

॥ग॥ उत्पादन और क्षमता उपयोग :

24. याचिकाकर्त्ता का उत्पादन 243 मी० टन ॥1993-94॥ से बढ़कर 268 मी० टन ॥1994-95॥, 277.35 मी० टन ॥1995-96॥ हो गया था और जाँच-अवधि में यह उत्पादन 205 मी० टन ॥307 मी० टन वार्षिक आधार पर था । याचिकाकर्त्ता की क्षमता-उपयोगिता 1994-95 में 44.6% से बढ़कर जाँच अवधि में 36.41% रह गयी थी ।

॥घ॥ सम्पूर्ण मात्रा में बिक्री :

25. सम्पूर्ण मात्रा में बिक्री 232.959 मी० टन ॥1993-94॥ से बढ़कर 285.369 मी० टन ॥1994-95॥ हो गयी थी और उसके बाद यह घटकर 279.211 मी० टन ॥1995-96॥ हो गयी और जाँच-अवधि में यह 182.35 मी० टन ॥243 मी० टन॥ वार्षिक आधार पर थी ।

॥ङ॥ स्टॉक :

26. याचिकाकर्त्ता के पास मेन्मीशियम का स्टॉक 2:646 मी० टन ॥1994-95॥, 0.785 मी० टन ॥1995-96॥ और जाँच-अवधि में औसत 6.86 मी० टन था ।

॥च॥ औसत बिक्री वसूली :

27. मेन्मीशियम की बिक्री से घरेलू उद्योग की औसत इकाई बिक्री वसूली 125.71 रुपये ॥1993-94॥ से बढ़कर 133.59 रुपये प्रति किग्रा० ॥1994-95॥, 166.80 रुपये प्रति किग्रा० ॥1995-96॥ हो गयी और यह वसूली जाँच-अवधि में 168.06 रुपये थी ।

§ छः कीमतों में कमी :

28. चीन जनवादी गणराज्य का आयात-मूल्य याचिकाकर्त्ता की औसत बिक्री वसूली से काफी कम था । परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में कीमतों में कमी आ गयी । यह पाया गया है कि चीनी निर्यात से जाँच-अवधि के दौरान भारतीय बाजार में मेमीशियम की कीमतों में 44.1 तक गिरावट आई ।

§ जः कीमतों में वृद्धि पर रोक :

29. प्राधिकारी ने पाया कि निविष्टियों की लागत में वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में जाँच-अवधि में उत्पादन लागत ^{में} *** रुपये प्रति मी० टन तक की वृद्धि हुई। इसके बावजूद घरेलू उद्योग को उत्पादन लागत की वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमतों में वृद्धि करने से रोका गया था । § बिक्री मूल्यों में केवल *** रु० प्रति मी० टन की वृद्धि हुई थी §

§ घः लाभ/हानि:

30. याचिकाकर्त्ता को पिछले वर्ष की तुलना में जाँच-अवधि में काफी कम लाभ हुआ । यह पाया गया है कि याचिकाकर्त्ता को 1994-95 में अपने मेमीशियम की बिक्री में 6.18 लाख रुपये का घाटा हुआ था जबकि इसने 1995-96 में 32.34 लाख रुपये का लाभ कमाया । परन्तु, जाँच-अवधि के दौरान यह लाभ घटकर 8.26 लाख रुपये हो गया । § 11.04 लाख रुपये वार्षिक आधार पर)।

§ अः क्षति के बारे में निष्कर्ष :

31. भारत में निरपेक्ष रूप में बड़ी मात्रा में पाटित आयात और सापेक्ष रूप में ^{उत्पादन} उपभोग, चीन जनवादी गणराज्य के मेमीशियम का निर्यात-मूल्य और घरेलू उद्योग संबंधी अनेक सूचकों जैसे-उत्पादन, क्षमता-उपयोग, बिक्री-परिमाण, औसत बिक्री वसूली, स्टॉक, सांख्यिक और संकपी घाटे यह प्रमाणित करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है । भले ही कुछ पैरामीटर सुधार दर्शाते हैं । प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

§ टः कार्य-कारण संबंध

33. यह प्रमाणित करने के लिए कि घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति का कारण वस्तु देशों से आयात का होना है, प्राधिकारी का मानना है कि चीन जनवादी गणराज्य से

आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के परिणामस्वरूप याचिकाकर्त्ता के बाजार हिस्से में गिरावट आई और उसने घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें अलाभकारी स्तरों पर रखने के लिए बाध्य किया और घरेलू उद्योग को अपनी उत्पादन लागत की वसूली करने से रोका। अतः घरेलू उद्योग में वास्तविक क्षति चीन जम्हादी गणराज्य से पाटित आयातों के कारण हुई।

४४ भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

34. आमतौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्रयोजन पाटन को समाप्त करने से है जो घरेलू उद्योग की क्षति का कारण है और भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा स्थिति की पुनर्स्थापना करना है जो कि देश के आमहित में है।

35. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबंधित माल का उपयोग करते हुए विनिर्मित उत्पादों के मूल्य-स्तर प्रभावित हो सकते हैं और इसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर इसका कुछ प्रभाव पड़ सकता है। परन्तु, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटन-रोधी साधनों से कम नहीं होगी, खासकर यदि पाटन-रोधी शुल्क की लेवी को घरेलू उद्योग क्षति-पूर्ति के लिए एक आवश्यक धनराशि तक सीमित कर दिया जाय। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन की क्रियाओं से उठाए जाने वाले अनुचित फायदे समाप्त हो जाएंगे, इससे घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और मेम्मीशियम के उपभोक्ताओं की व्यापक पसंद की उपलब्धता को बनाए रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से वस्तु-देशों से होने वाले आयात विसी भी तरह सीमित नहीं होगा और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

36. घरेलू उद्योग की क्षति को खत्म करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की सीमा निश्चित करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षमता-अपयोग के सर्वोत्तम स्तर पर सर्वोत्तम उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के लिए भारत में मेम्मीशियम की उपयुक्त बिक्री कीमत पर विश्वास किया है।

४५ उतराई मूल्य;

37. चीन जम्हादी गणराज्य से आयातों का उतराई मूल्य का निर्धारण प्रचालित सीमा-शुल्क और एक प्रतिशत उतराई तथा दो प्रतिशत देखभाल प्रभारों को जोड़ने के बाद चीन जम्हादी गणराज्य के मेम्मीशियम के भारत औसत निर्यात मूल्य के आधार पर किया गया।

§ ८ निष्कर्ष:

38. प्राधिकारी पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि ;

§ क चीन जनवादी गणराज्य मूल के या वहाँ से निर्यातित मेन्मीशियम का भारत में सामान्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया है जिसके परिणाम-स्वरूप पाटन हुआ है;

§ ख भारतीय उद्योग के वास्तविक क्षति हुई है;

§ ग क्षति कुल मिला कर संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण हुई है ।

39. यह आवश्यक समझा गया है कि जाँच होने तक अंतिम रूप से निर्धारण होने तक संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित मेन्मीशियम के सभी आयातों पर अंतिम पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाए ।

40. यह विचार किया गया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा । इस उद्देश्य के लिए आयातों की उत्तराई कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत से की गई जो कि जाँच अधि के लिए निर्धारित की गई थी । जहाँ कहीं यह अंतर डम्पिंग मार्जिन से भी कम था वहाँ डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है । तदनुसार प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से चीन जनवादी गणराज्य के उद्गम वाले या वहाँ से निर्यातित मेन्मीशियम के सभी आयातों पर सीमा-शुल्क टैरिफ के अध्याय 81 के अंतर्गत अंतिम निपटान होने तक 27509 रुपये की दर से अस्थाई पाटनरोधी शुल्क लगाया जाय ।

संबद्ध ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्त्ता और अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्राधिकारी द्वारा क्लग से लिखा जा रहा है जो इस पत्र के जारी होने की तिथि से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जाँच परिणामों के प्रकाशन की तिथि से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है ।

MINISTRY OF COMMERCE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 6th February, 1998

PRELIMINARY FINDINGS

Subject: Anti dumping investigation concerning imports of magnesium from China PR - Preliminary Findings

7/1/97/ADD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

The procedure described below has been followed with regard to the investigations:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from M/s. Southern Magnesium & Chemicals Ltd., on behalf of the domestic industry, alleging dumping of magnesium, originating in or exported from China PR;
- ii. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner, decided to initiate investigations against imports of magnesium from China PR. The Authority notified the Embassy of China PR about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;
- iii. The Authority issued a public notice dated 31st July, 1997 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of magnesium, classified under custom sub-headings 8104.11 and 8104.19 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from China PR;
- iv. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);
- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known importers of magnesium in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vi. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of magnesium for the past three years, including the period of investigations. No information was however, received from CBE;

- vii. The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of China PR in accordance with rules 6(3) supra;
- viii. The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the following known exporters, in accordance with the rule 6(4);
- Taiyuan East-United Smelt Magnesium Co. Ltd., China,
 - United Magnesium Co. Ltd., China,
 - Hebi Siji Metal Smelting Co. Ltd., China,
 - Shanxi Lucheng Fenghua Smelting Ltd., China,
 - Nanjing Ube Magnesium Co. Ltd., China,
 - Chemetals International Ltd., Hong Kong,
 - Yue Pak Co. Ltd., Kong Kong;
- ix. The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, alongwith a list of known exporters/producers;
- x. A questionnaire was sent to the following known importers of magnesium in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4):
- Jayesh Trading Co., Mumbai,
 - Industrial Metalics, Mumbai,
 - J Poonamchnad & Sons, Mumbai,
 - Metco Marketing India Ltd., Mumbai,
 - Asia Metal Corpn., Mumbai,
 - Amogh Alloys, Mumbai,
 - Metal Alloys, Mumbai,
 - Sanjay Commercial Corpn, Calcutta,
 - Kothari Metals Pvt. Ltd., Calcutta,
 - Bahti Udyog, Calcutta,
 - Impex Metal Pvt. Ltd., Delhi;
- xi. Additional information regarding Injury was sought from the petitioner, which was also received;
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xiii. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry,
- xiv. Investigations was carried out for the period from starting 1st April, 1996 to 31st Dec., 1996;

B. PETITIONER'S VIEWS

2. The petitioner has raised the following issues in their petition:

i) On Dumping:

- The petitioner has stated that a major part of dumping is originating from small producers of magnesium in China PR. Chinese manufactures are offering the metal at throw away prices in order to capture the Indian Market;
- Anti-dumping duties have been imposed by USA on Chinese magnesium in view of dumping by the Chinese exporters;
- Exports of Chinese magnesium to Europe are at a dumped price, as a result of which 150-200 smaller producers of magnesium have gone out of business;
- As the markets for export of Chinese magnesium is getting blocked all over the world, India has become a potential market for dumping of Chinese magnesium;
- The normal value of magnesium in China is based on constructed cost of production;

ii) On injury:

The petitioner has suffered injury as seen by the following:

- Distress sale by the petitioner at lower prices, resulting in non-recovery of depreciation and interest costs;
- The petitioner has not been able to earn any return on capital;
- Sales of the petitioner has drastically declined.
- Though the consumption of magnesium in India has been growing over the years, production of the petitioner has remained stagnant inspite of increase in the plant capacity by the petitioner;
- The selling prices of the petitioner are based on cost of production, in spite of which the petitioner is not in able to compete with the prices offered by the Chinese exporters. The prices offered by the Chinese exporters are unrelated to their cost of production;
- Selling prices of the petitioner include on element of sales tax on raw materials, other inputs and finished goods, whereas the imports from China PR do not have to bear this cost;
- The petitioner may not be able to continue its operations for long even though it is not an inefficient producer.

C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

3. None of exporters addressed to by the Authority has responded to the questionnaire. M/s. Kothari Metals Ltd., Calcutta has responded to the Authority's request for information whereas M/s. Escorts Metal Ltd has merely expressed its views, without furnishing any information. These parties argued that the petitioner is the only manufacturer of magnesium in India and its total production is not sufficient to meet the total demand in the country. There is, therefore, no justification in imposing anti-dumping duty, these parties have argued.

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

4. The submissions made by the importers, petitioner and other interested parties have been examined, considered and have been dealt at appropriate places hereinafter.

E. **PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

5. The product considered in the present investigations is magnesium of all grades/purities, shapes and sizes. Magnesium is a silvery white metal having density equal to approximately 63% of that of Aluminium.
6. Magnesium is classified under custom sub-heading 8104.11 and 8104.19 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975 and under 8104.11.00 and 8104.19.00 of ITC. The description is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigations.
7. Magnesium is sold in various physical forms and sizes, such as slabs, rounds, pellets and is used in defence, space and nuclear industries. Magnesium is not substitutable with any other material.

F. **LIKE ARTICLES**

8. The Authority considered factors such as physical characteristics (size, chemical composition, raw material), manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods in order to establish whether the magnesium produced by the domestic industry is a like article to the magnesium exported from China PR. The petitioner contended that it uses Pidgeon process for making magnesium, whereas Chinese producers use electrolyte as well as Pidgeon process. The difference in the production process, however, does not result in difference in the end product and the cost of production is also nearly the same regardless of the manufacturing process. The petitioner has claimed that the goods exported from China PR and goods produced by the petitioner are being consumed interchangeably and have characteristics closely resembling each other. There is no argument contrary to the claim of the petitioner on this account. The goods produced by the domestic industry are a like article to the goods exported from China PR within the meaning of the Rule 2(d).

G. **DOMESTIC INDUSTRY**

9. The petition has been filed by M/S. Southern Magnesium and Chemicals Limited, Deccan Chambers, 5th Floor, 6-3-666/B, Somajiguda, Hyderabad-500082. There is one more producer of magnesium in India, M/s. Tamilnadu Magnesium and Marine Chemicals Ltd., (TMML), which has suspended its production since 1992. The petitioner being the sole producer of the magnesium in India, satisfies the definition of the domestic industry in accordance with Rule 2(b) supra.

H. **DUMPING**

10. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

11. The Authority provided opportunity to the exporters from China PR to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Embassy of China PR in India also. However, none of the exporters have responded to the Authority's request for information.
12. None of the Importers or other interested party(ies) have furnished any information relevant for determination of normal value. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by any interested party(ies). The Authority, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e., best information available, for determination of normal value of magnesium in China PR.
13. The normal value was determined on the basis of cost of production constructed for China PR at the time of initiation. The Authority has considered the same basis of determination of normal value in these findings.
14. Export price: None of the exporters from China PR have furnished information requested by the Authority. The information furnished by the importers is insufficient to arrive at a fair average export price of magnesium from China PR for the investigations period. The export price has, therefore, been worked out on the basis of information published by the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S). Import of magnesium under custom sub-headings 8104.11.00 and 8104.19.00 have been considered for working out the average export price in the investigations period.

15. The petitioner had furnished export price on the basis of Metals and Minerals Review also. However, since the information compiled by the DGCI&S is available exclusively for the product under consideration, the Authority has ignored the information furnished by the petitioner on the basis of Metals and Minerals Review.
16. The petitioner has not claimed any adjustment in the CIF export price, nor have the exporters claimed any adjustments in the normal value and/or export price. Further, the normal value is based on the cost of production and has been considered as at ex-works level. Any adjustment on export price would, therefore, necessarily result in increasing in the dumping margin. In view of non-co-operation from the exporters and no information otherwise available with the Authority and in view of the dumping margin being significantly higher than the extent of the injury, it is considered appropriate not to allow any adjustment in the export price. The export price thus determined has been treated as the ex-works export price.
17. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority took into account the information furnished by the petitioner and other published information available with the Authority. The normal value and export price determined, as detailed above, are at ex-works level and therefore, the normal value has been compared with the weighted average export price. The dumping margin comes to 62%.

INJURY

18. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles ...". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
 19. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.
- (a) Volume and Market share of Dumped imports
20. Imports of magnesium from China PR increased from 441 MT in 1994-95 to 992 MT in 1995-96 and were 766 MT in the investigation period (1021 MT on annualised basis), resulting in sharp increase in imports in absolute terms. Share of China PR in total imports increased sharply from 28.42% (1994-95) to 68.25% (investigation period). Market share of China PR in total demand in India also increased from 24.41% (1994-95) to 57.9% (investigation period).

(b) Export price from China:

21. CIF export price of magnesium from China PR declined from Rs. 136 per kg. (1994-95) to Rs. 124 per kg. in Apr. 1996 and averaged Rs. 93.73 per kg. in the investigation period.

(c) Production and Capacity Utilisation:

22. The production of the petitioner increased from 243 MT (1993-94) to 268 MT (1994-95), 277.35 MT (1995-96) and was 205 MT in the investigation period (307 MT on annualised basis). The capacity utilisation of the petitioner declined from 44.6% in 1994-95 to 36.41% in the investigation period.

(d) Sale in absolute terms:

23. Sales in absolute volumes increased from 232.959 MT (1993-94) to 285.369 MT (1994-95) and thereafter declined to 279.211 MT (1995-96) and were 182.35 MT in the investigations period (243 MT on annualised basis).

(e) Stocks:

24. Stock of magnesium with the petitioner were 2.646 MT (1994-95), 0.785 MT (1995-96) and averaged 6.86 MT in the investigation period.

(f) Average Sales Realisation:

25. Average unit sales realisation for the domestic industry from sale of magnesium increased from Rs. 125.71 (1993-94) to Rs. 133.59 per kg. (1994-95), Rs. 166.80 per kg. (1995-96) and was Rs. 168.06 in the investigation period.

(g) Price Undercutting:

26. The import price from China PR was significantly lower than the average sales realisation of the petitioner, resulting in price undercutting in the Indian market. It is found that the Chinese exports were undercutting the prices of magnesium in the Indian market by 44% during the investigations period.

(h) Price Suppression:

27. The Authority found that in spite of increase in the cost of inputs (the cost of production increased by Rs. *** pmt in the investigation period as compared to the previous year), the domestic industry was prevented from increasing its prices commensurate with the increase in the cost of production (the selling prices increased by Rs. *** pmt only).

(i) Profit/Loss:

28. The profitability of the petitioner declined considerably in the investigation period as compared to the previous year. It is found that the petitioner had incurred a loss of Rs. 16.18 lakhs on its sales of Magnesium in 1994-95, whereas it made a profit of Rs. 32.34 lakhs in 1995-96. The same, however, declined to Rs. 8.28 lacs in the investigation period (Rs. 11.04 lacs on annualised basis).

g Conclusion on injury

29. Volume of dumped imports in absolute terms as well as relative to production and consumption in India, export price of magnesium from China PR and various indicators relating to domestic industry such as production, capacity utilisation, sales quantities, average sales realisation, stock, losses collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material

injury, even though some of the parameters show improvement. The Authority holds that the domestic industry has suffered material injury

J. **CAUSAL LINK:**

30. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject countries, the Authority holds that increase in market share of the imports from China PR resulted in decline in the market share of the petitioner and forced the domestic industry to keep its prices to unremunerative levels and prevented the domestic industry from recovering its production costs. The material injury to the domestic industry was, therefore, caused by the dumped imports from China PR.

K. **INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

31. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
32. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of magnesium. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
33. To ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling price of magnesium in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry

L. **LANDED VALUE:**

34. The landed value of imports from China PR have been determined on the basis of weighted average export price of magnesium from China PR, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

M. **CONCLUSIONS:**

35. The Authority, after considering the foregoing, concludes that:
- a. Magnesium originating in or exported from China PR has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
 - b. The Indian industry has suffered material injury

- c. The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject country.
36. It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of magnesium originating in or exported from the subject country, pending investigations
37. It was considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. Landed prices of the imports, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, the Authority recommends that provisional anti dumping duties @ Rs. 27509 per MT be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of magnesium originating in or exported from China PR falling under Chapter 81 of the Customs Tariff, pending final determination.
38. Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority